(a) whether representations have been made to Government about the unsatisfactory working conditions in the Office of the Manager, Government of India, Publications Branch at the Civil Lines, Delhi; and

(b) if so, the action taken by Government to remedy the situation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI I. K. GUJRAL) (a) Yes.

(b) The following steps have been taken to remedy the situation:-

(i) A proposal for the construction of a new building is under consideration.

(ii) Toilet facilities in the main building have been renovated.

(iii) Measures for the eradication of rat menace and white ants have been taken.

(iv) Electrical installation in stores/godowns have been checked by the CPWD and new points fixed. Old electric wirings, have been replaced. For better light in godowns, high powered bulbs have been provided. Action for providing tube lights for Stores has been taken.

(v) Action to provide exhaust fans in stores/godowns is also being taken.

(vi) The rooms/stores/godowns are cleaned daily and disinfectants and insecticides are used.

(vii) Block No. VIII of the buildings has been re-roofed and renovated.

(viii) The buildings have been disinfected twice this year by the Delhi Corporation and also by the Publications Branch.

ग्रामीण रोजगार के त्वरित कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार दिए गए व्यक्ति

976. श्री भागीरथ भंवर : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बेरोजगारी दुर करने केकार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न राज्यों ने अब तक राज्यवार कितने व्यक्तियों को रोजगार दे दिया है ;

(ख) जिन लोगों को रोजगार दिया गया है उनमें से कितने नगरीय क्षेत्र के हैं ;

(ग) उक्त रोजगार कितने समय के लिए दिया गया है और क्या-क्या काम दिए गए हैं ;

(घ) जिन लोगों को रोजगार दिया जा चुका है उनके अतिरिक्त प्रत्येक राज्य में कितने लोग बेरोजगार हैं ; और

(ङ) शेष बेरोजगार व्यक्तियों को कब तक रोजगार दिया जाएगा ?

(क) से (ग) : ग्राम रोजगार की त्वरित योजना की अभिकल्पना प्रत्येक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 1000 व्यक्तियों को स्थायी स्वरुप के श्रम-प्रधान कार्यों के माध्यम से 10 महीनों की अवधि अथवा उतनी ही संख्या के श्रम दिनों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए की गई है। यह योजना विभिन्न राज्यों और केन्द्र-शासित क्षेत्रों में अलग-अलग दिनों से आरम्भ की गई है। सभी राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों के बारे में अद्यतन सूचना उपलब्ध नहीं है। तथापि, अब तक प्राप्त ब्यौरे के आधार पर उपलब्ध किए गए रोजगार के श्रम-दिनों की संख्या दर्शाने वाला एक विवरण तैयार किया गया है और वह सभा-पटल पर रखा जाता है। इस बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है कि कितने लोगों को तथा उन में से प्रत्येक को कितनी-कितनी अवधि के लिए रोजगार उपलब्ध किया गया है। ये आंकड़े एक ही राज्य में अलग-अलग काम अलग-अलग क्षेत्र के लिए भिन्न-भिन्न होते हैं क्योंकि सामान्यतः गांवों में मजदूर मुख्य रुप से कृषि का कार्य करते हैं,

जिनका समय और मात्रा अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न होती है और अन्य प्रकार की मजदूरी के काम तब करते हैं जब कृषि कार्य नहीं होता है अथवा कम हो जाता है। इसके अलावा यह बात भी है कि बिना इस सूचना के कि कितने दिनों के लिए प्रत्येक को रोजगार दिया गया, केवल रोजगार में लगाए गए व्यक्तियों की संख्या देना भ्रामक हो सकता है। भाग (ग) के दूसरे हिस्से के सम्बन्ध में यह कहा जा सकता है कि उन्हें जिस प्रकार के, कार्य दिये जाते हैं वे सड़क निर्माण, तालाबों के सुधार, भू-संरक्षण और वनरोपण के बारे में हैं। इस योजना के अन्तर्गत रोजगार में लगाए गए सभी अकुशल मजदूर ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। यह सम्भव है कि उच्च कुशलता वाले कुछ व्यक्ति जैसे राज तथा वर्क मेट, दूसरे क्षेत्रों से लाए गए हों।

(घ) और (ङ) : यह सूचना कि प्रत्येक राज्य में कुल कितने व्यक्ति बेरोजगार हैं उपलब्ध नहीं है और यह बताना सम्भव नहीं है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी बेरोजगार व्यक्तियों को कब तक रोजगार दिया जाएगा। जो भी हो, यह स्पष्ट कर देना आवश्यक होगा कि त्वरित योजना के उद्देश्य सीमित हैं और ग्रामीण बेरोजगारी को हटाने के व्यापक प्रश्न का समाधान सामान्य रूप से ग्रामीण और विशेष रूप से कृषि क्षेत्रों की सामान्य विकास योजना के एक भाग के रूप में किया जा रहा है।

विवरण

ग्राम रोजगार की त्वरित योजना

पैदा किए गए रोजगार की प्रगति दर्शाने वाला विवरण

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	रोजगार पैदा किया (श्रम दिन)
1. आन्ध्र प्रदेश	435.28
2. असम	अप्राप्य
3. बिहार	52.15
4. गुजरात	151.26
5. हरियाणा	211.85
6. हिमाचल प्रदेश	245.00
7. जम्मू तथा काश्मीर	अप्राप्य
8. केरल	437.30
9. मध्य प्रदेश	13.08
10. महाराष्ट्र	207.91
11. मेघालय	अप्राप्य
12. मैसूर	373.73
13. नागालैण्ड	अभी कार्य आरम्भ नहीं हुआ है।
14. उड़ीसा (क)	अप्राप्य
15. पंजाब	अप्राप्य
16. राजस्थान (क)	अप्राप्य
17. तमिलनाडु	942.00
18. उत्तर प्रदेश	327.33
19. पश्चिम बंगाल	383.37
केन्द्र शासित क्षेत्र	
20. अंडेमान तथा निकोबार द्वीप समूह	2.17
21. चण्डीगढ़	15.20
22. दादरा, नगर हवेली	प्रस्ताव आते रहते हैं।
23. दिल्ली	2.34
24. गोवा, दमन तथा दीव	अभी कार्य आरम्भ नहीं हुआ है।
25. लकादीव, मिनिकाय तथा अमिनदीवी द्वीप समूह	अप्राप्य
26. मणिपुर	अप्राप्य
27. नेफा	अभी कार्य आरम्भ नहीं हुआ है
28. पांडिचेरी	अप्राप्य
29. त्रिपुरा (क)	अप्राप्य
अखिल भारत	3799.97

टिप्पणी : विभिन्न राज्य। केन्द्र शासित क्षेत्रों में पैदा किए गए रोजगार से संबंधित सूचना निम्न अवधियों के बारे में है।

(क) अगस्त, 1971 तक—बिहार, हिमाचल प्रदेश।

(ख) सितम्बर, 1971 तक—आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, चण्डीगढ़।

(ग) अक्तूबर, 1971 तक—गुजरात, केरल, मैसूर, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, दिल्ली और पांडिचेरी।

(क) पता चला है कि उड़ीसा, राजस्थान, तथा त्रिपुरा में कार्य आरम्भ हो गया है, लेकिन रोजगार के संबंध में अभी आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं।

Theft of Temple Idols in Gujarat

1977. SHRI HAMENDRA SINGH BANERA : Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether the Government are aware of theft of temple idols in Gujarat ;

(b) if so, how many idols were stolen during the last three years and the name of the temples in Gujarat ; and

(c) how many cases were registered and against whom ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (PROF. S. NURUL HASAN): (a) No theft of any idol from any centrally protected temples under the Archaeological Survey of India in Gujarat has occurred during the last three years.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

Manufacture of Kattha on Modern Lines

1978. SHRI B. R. SHUKLA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there are a large number of Khair trees standing in the forest of the district of Bahraich, and if so, whether Kattha is produced out of the Khair trees in the native crude way by the traders there; and

(b) whether the Government are taking steps to establish a Kattha factory on modern lines for the manufacture of Kattha there ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (PROF. SHER SINGH) : (a) and (b). The information is being collected from the Government of Uttar Pradesh and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

Utilisation of Sugarcane produced in Bahraich District and proposal to set up a Sugar Mill in that District

1979. SHRI B. R. SHUKLA : Will the Minister of Agriculture be pleased to state :

(a) whether all the sugar-cane produced during the last two years in the District of Bahraich was wholly consumed by the single Sugar-cane Mill at Jarwal Road in the District of Bahraich ;

(b) if not, how the surplus sugar-cane was utilised ; and

(c) whether Government propose to establish a Sugar Mill in the Cooperative or Public sector in the district of Bahraich to utilize the enormous quantity of sugar-cane produced in the district ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (PROF. SHER SINGH) : (a) to (c). The informa-